षोड़श शक्ति प्रदायक योगिनी दीक्षा

तंत्र का दर्शन शिव और शक्ति के बीच के परस्पर तालमेल पर आधारित है। शिव को चेतना का प्रतीक माना जाता है, जबकि शक्ति सृजन और ऊर्जा की प्रतीक हैं। पूरा ब्रह्मांड शिव और शक्ति के इस खेल का परिणाम है। भगवान शिव को आदियोगी और तंत्र विद्या के मूल स्रोत के रूप में पूजा जाता है। तंत्र का अर्थ है - विस्तार या उद्धार का मार्ग।

मनुष्य के जीवन को गतिशील रखनें में शक्ति तत्व का अमूल्य योगदान रहा है अथवा दूसरे शब्दों में कहें तो शक्ति तत्व ही आंतरिक ऊर्जा, इच्छाशक्ति, और शारीरिक बल का मुख्य स्तोत्र है। जिसके फलस्वरुप हम शारीरिक रुप से सक्रिय, मानसिक रुप से जागरुक तथा जीवंत हो पाते हैं जिससे नित्य संघर्ष, प्रगति और जीवन का संपादन संभव हो पाता है।

परन्तु कभी-कभी स्वतः ही ऐसी स्थितियां निर्मित होती हैं जब उक्त स्थितियों का निर्माण होना बन्द हो जाता है और ईश्वरीय शक्ति के अभाव से जीवन दिशाहीन, अशांत और स्वार्थपूर्ण हो जाता है जिससे मनुष्य में अहंकार, लोभ, और भय बढ़ जाता है, तथा मानसिक तनाव, अनैतिकता, और निराशा की स्थिति उत्पन्न होने से जीवन नरक तुल्य बन जाता है। योगिनी शक्ति तंत्र साधनाओं की आधारभूत देवी हैं और ये चौसठ योगिनियाँ माँ काली से ही जुड़ी हुई हैं। ये सभी देवी शक्ति के विभिन्न रूप हैं और योगिनी तंत्र में ये देवी अत्यंत शक्तिशाली और रहस्यमयी मानी जाती हैं। जो मात्र नारी नहीं अपितु चैतन्यता से आपूरित विशिष्ट सौन्दर्य की स्वामिनी भी होती हैं। योगिनी सहज रूप से गतिशील होती है, योग-कला में निपुण होती है, चाहे वह बाह्य (शरीर, इंद्रियां और मन) हो या आंतरिक (चेतना)। उसके पास दूसरों को जीवन देने, ज्ञान प्रदान करने और मुक्ति दिलाने की शक्ति होती है।

कुछ योगिनियाँ दयालु हैं तो कुछ उग्र, कुछ हमारी नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने में सहायता प्रदान करती हैं, तो कुछ हमारी सकारात्मक प्रवृत्तियों पर। ये सभी मिलकर हमारे भीतर और बाहर ऐसी परिस्थितियाँ बनाती हैं जो स्थायी संतुष्टि प्राप्त करने के लिए अनुकूल होती हैं। योगिनी नारीत्व की समस्त कोमल भावनाएं, सहनशीलता, धैर्यता, सहजता, शालीनता में आबद्ध शक्ति की ही प्रतिमूर्ति होती है। जो साधक के जीवन की सभी अनिष्ट शक्तियों का निवारण कर प्रेम, हास्य, आनन्द, पूर्ण पौरुषता और गृहस्थ जीवन को पूर्णता प्रदान करती है। इनकी प्रबल शक्तियाँ हमारे विचारों, वाणी और कर्मों को प्रभावित करती हैं तथा इन्हें तंत्र के गोपनीय और दुरुह रहस्यों का भी ज्ञान होता है। अत्यन्त गौर वर्ण, विद्युत सी आभा तथा दैदीप्यमान मुखमण्डल, चराचर को सम्मोहित करती गहरी आँखें और उनमें लहराती मादकता, करुणा का एक अनोखा संगम है।

जीवन में सम्पूर्ण रुप से रस आनन्द, कर्मशक्ति और आकर्षण शक्ति से होना अनिवार्य है क्योंकि इनके द्वारा ही मनुष्य के जीवन का आधार तैयार होता है। योगिनी शक्ति से मनुष्य के जीवन में अर्थ का अभाव भी समाप्त हो जाता है तथा उसका जीवन धन-धान्य से परिपूर्ण होने लगता है।

षोड़श शक्ति प्रदायक योगिनी दीक्षा न्यौछावर ₹1800

दीक्षा हेतु नूतन फोटो व न्यौ. राशि कैलाश सिद्धाश्रम जोधपुर 7568939648
न्यौ. राशि NIDHI SHRIMALI SBI UIT Branch Jodhpur A/c No.:20287318460
Branch Code: 006590 MICR Code: 342002010 IFSC: SBINN0006490
आश्रम:कैलाश नारायण धाम E1077 सरस्वती विहार दिल्ली-34 011-45058768 9950980966
सद्गुरूदेव जी के साधनात्मक कार्यक्रम GurudevKailash YouTube KAILASH SIDDHASHRAM पर देखे।